

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर

समक्ष

एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 73-दो/ 2006 - विरुद्ध आदेश दिनांक
14-12-2005 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, सागर संभाग,
सागर - प्रकरण 501 अ-3/2003-04 अपील

रामेश्वर प्रसाद (मृत) पुत्र हरप्रसाद ब्राहमण
वारिस

1- श्रीमती राधादेवी पत्नि स्व.रामेश्वर
2- राजेश 3- मनोहर पुत्रगण
स्वर्गीय रामेश्वर ब्राहमण निवासी
पावर हाउस के पास, पुरानी टेकरी
टीकमगढ़ तहसील व जिला टीकमगढ़
विरुद्ध

---आवेदकगण

हरीनारायण पुत्र स्व.चन्द्रभान ब्राहमण
निवासी बनपुरा खुर्द तहसील बलदेवगढ़
जिला टीकमगढ़ मध्य प्रदेश

----अनावेदक

(आवेदकगण के अभिभाषक श्री एस०के०श्रीवास्तव)
(अनावेदक के अभिभाषक श्री एस०के०बाजपेयी)

आ दे श

(आज दिनांक २- मार्च , 2016 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर द्वारा
प्रकरण क्रमांक 501 अ-3/2003-04 अपील में पारित आदेश
दि. 14-12-2005 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959
की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि अनावेदक ने नायव





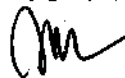
तहसीलदार बल्देवगढ़ को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर मांग रखी कि ग्राम बनपुरा स्थित भूमि सर्वे नंबर 461/1 रकबा 0.881 हैक्टर उसके एवं 461/2 रकबा 0.942 हैक्टर दामोदर के नाम है जिसकी राजस्व निरीक्षक एवं हलका पटवारी ने तरमीम गलत कर दी है , तरमीम दुरुस्ती की जाय। नायब तहसीलदार बल्देवगढ़ ने प्रकरण क्रमांक 57 अ-3/2001-02 दर्ज किया तथा सुनवाई उपरांत आदेश दिनांक 18-9-2002 पारित करके राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार नक्शा तरमीम करने के आदेश दिये। इस आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ के समक्ष अपील करने पर प्रकरण क्रमांक 63/ 2003-04 में पारित आदेश दिनांक 7-4-2004 से अपील स्वीकार कर नायब तहसीलदार का आदेश दिनांक 18-9-2002 निरस्त किया गया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 501 अ-3/2003-04 में पारित आदेश दि. 14-12-2005 से अपील स्वीकार कर अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ का आदेश दिनांक 7-4-2004 निरस्त करते हुये नायब तहसीलदार का आदेश दिनांक 18-9-2002 स्थिर रखा गया। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ निगरानी मेमो में उठाए गए बिन्दुओं पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर के अपील प्रकरण क्रमांक 501 अ-3/2003-04 में पारित आदेश दि. 14-12-2005 के अवलोकन पर पाया गया कि उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 7-4-2004 को इस आधार पर निरस्त किया है



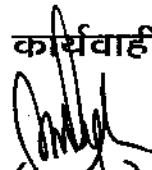
कि नायब तहसीलदार के आदेश दिनांक 18-9-2002 के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ के समक्ष सात माह बाद अपील प्रस्तुत हुई है जिसे उन्होंने अवधि वाह्य होना माना है, जबकि अनुविभागीय अधिकारी, टीकमगढ़ ने आदेश दिनांक 7-4-2002 में अपील प्रस्तुत करने में हुये विलम्ब को क्षमा किया है। अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ के प्रकरण क्रमांक 62/03-04 अपील में अपील मेमो के संलग्न अवधि विधान की धारा-5 का आवेदन दिया गया है जिसमें मृतक रामेश्वर ने अंकित किया है कि तहसील न्यायालय में उसे पक्षकार बनाये बिना नक्शा तरमीम का आवेदन दिया गया है जिसकी जानकारी उसे 23-6-03 को हलका पटवारी से हुई है। उसके द्वारा व्यवहार प्रक्रिया संहिता आदेश 41 नियम 27 के अंतर्गत आवेदन देकर बताया गया कि तहसीलदार बल्देवगढ़ के प्रकरण क्रमांक 2 अ 27/1993-94 में पारित आदेश दिनांक 28-2-1994 से उसके एवं अनावेदक के बीच बटवारा हुआ है और बटवारा कार्यवाही उपरांत नक्शा तरमीम हो चुका है तथा नायब तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 52 अ-12/2001-02 में पारित आदेश दिनांक 30-6-2002 से सीमांकन भी स्वीकृत हुआ है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर अनुविभागीय अधिकारी ने अपील प्रस्तुत करने में हुये विलम्ब को क्षमा किया है, परन्तु अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर ने अनुविभागीय अधिकारी के प्रकरण में तहसीलदार बल्देवगढ़ के प्रकरण क्रमांक 2 अ 27/1993-94 में पारित आदेश दिनांक 28-2-1994 का एवं नायब तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 52 अ-12/2001-02 में पारित आदेश दिनांक 30-6-2002 का तथ्य उल्लेखित होते हुये भी इन्हें नजरन्दाज करके अनुविभागीय अधिकारी के आदेश को मात्र अपील विलम्ब से प्रस्तुत होने के आधार पर निरस्त करने में भूल की है ,





परन्तु अनुविभागीय अधिकारी ने भी नायव तहसीलदार के आदेश को सीधे निरस्त कर पूर्व की स्थिति में नक्शा पहुंचाने में त्रुटि की है क्योंकि उभय पक्ष के बीच भूमि की चतुर्सीमाओं का विवाद पूर्ववत् बना रहेगा, जिसके कारण नायव तहसीलदार बल्देवगढ़ द्वारा प्रकरण क्रमांक 57 अ-3/2001-02 में पारित आदेश दिनांक 18-9-2002 तथा अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ द्वारा प्रकरण क्रमांक 63/ 2003-04 अपील में पारित आदेश दिनांक 7-4-2004 एवं अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर द्वारा प्रकरण क्रमांक 501 अ-3/2003-04 अपील में पारित आदेश दि. 14-12-2005 परस्पर अपूरक पाये जाने से स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर तीनों अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण पाये जाने से निरस्त किये जाते हैं तथा निगरानी ऑशिकरूप से स्वीकार की जाकर प्रकरण तहसीलदार बल्देवगढ़ की ओर इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है कि वह अधीक्षक, भू अभिलेख के अधीन दल गठित कर उभय पक्ष की भूमि की स्थल पर पैमायश कराये तथा हितबद्ध पक्षकारों को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर मौके की वास्तविक स्थिति अनुसार पुनः विधिवत् कार्यवाही अमल में लाये।


(एम०के०सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर

